SUPERMIDA IMIDACLOPRID 30.5% SC (SYSTEMIC AND CONTACT INSECTICIDE)

Caution: Not to be used on crops other than specified on this label/leaflet

It is a systemic insecticide containing imidacloprid active ingredient, balance auxillaries and inert material. It is used for control of termites in buildings and for the control of Jassids, Aphids & Thrips in cotton and brown plant hopper and white Backed Plant hopper in rice .

Recommendation it is used for control of termites in building as follows : preconstruction; the chemical emulsion shall be applied uniformly at the prescribed rate in all the stages of treatment, hand operated sprayer or watering can should be used for application of chemical emulsion. treatment of masonry foundations: 1, bottom surface and sides of foundation pits upto a height of 30 cm should be trated @5 ltr chemical emulsion per sq. mtr. of surface area. 2. back fill earth in immediate contact with the foundation structure should be treated @7.5 ltr. per sq. mtr. of the vertical surface of the substructure for each side. 3. treatment of rcc foundations: treatment should start at a depth of 50 cm below ground level @ 7.5 ltr. per sq.mtr. 4. treatment of top surface of plinth filling; the top surface of the consolidated earth within plinth walls shall be treated with chemical emulsion at the rate of 5 ltr/m2 of the surface before the sand bed or sub-grade is laid. 5. soil treatment along external perimeter of building: earth along the external walls of the building should be rodded at intervals of 15 cm and to a depth of 30 cm exposing the foundation wall surface. chemical solution should be poured along the wall @ 7.5 ltr. per sq. mtr. of vertical surface. 6. treatment of soil under apron along external perimeter of building: top surgface of the earth over which the apron is to be laid shall be treated with chemical solution @ 5 ltr per sq. mtr. of the vertical surface. post construction: 1. soil treatment along external perimeter of building: earth along the external walls of the building should be rodded at intervals of 15 cm and to a depth of 30 cm exposing the foundation wall surface. chemical solution should be poured along the wall @ 7.5 ltr per sq. mtr of vertical surface. 2. treatment of soil under apron along external permeter of building; top surface of the earth over which the apron is to be laid shall be treated with chemical solution @ 5 ltr per sq. mtr. of the vertical surface, 3, treatment of soil under floor; to prevent entry of termites from cracks, soil under floor should be treated. drill 12 mm holes at the junction of floor and wall at 30 cm interval to reach the soil below squirt th chemical solution @ 1 ltr per hole and seal. 4. treatment of voids in masonry: the movement of termites through masonry walls may be restricted by drilling holes in masonry wall at about 45 degree angle preferably from both sides of the plinth wall at 30 cm interval and squirt the chemical in holes till refusal and seal the holes. 5. treatment of upper floors: in case of infestation in upper floors, trat ground floor of the existing building as described above. (B) Agricultural Crops: It should be used for control of Jassids, Aphids & Thrips in cotton and brown plant hopper and white Backed Plant hopper on rice @ 21-26.25 gm a.i./ha (60-75 ml formulation) diluted in 500-750 lit water. Waiting period for cotton & rice is 26 & 37 day

Crop(S)	Common	Dosage/HA.		Dilution	Waiting period	Re-entry	
	name of pest	A.I.	formula	in water	between last	after each	
		(gm)	tion (ml)	(Ltr)	spray to harvest (in days)	Application (In Hours)	
C	Autorities and mission	24.26.25	CO 75	F00 7F0	26		

Cotton Aphid Jassids Thrips 21-26.25 60-75 500-750 26 Brown plant hopper 21-26 25 60-75 500-750 37 Rice white backed plant hopper

Direction of Use: Imidacloprid 30.5 % SC shall be applied at 0.075% a.i. concentration i.e.2.1 ml formulated product diluted in 1 litre of water for the control of termites during pre and post construction of building. Treatment should be as per IS 6313 (Part-2) 2001 for pre-constructional chemical treatment and IS 6313(part-3)2001 for post construction treatment.

Precaution: poisonous, handle with care, do not touch or inhale the contents. while handling the contents use rubber gloves and face mask.

Symptoms Of Poisoning: Apathy, myatonia, tremor, difficult breathing &

First Aid: If the product gets into the eyes, rinse it out immediately with plenty of water, incase of poisoning measure blood pressure and pulse rate frequently since bradycardia and drop in blood pressure may occur, artificial breathing and heart action are recommended. Eliminate the active ingredient through gastic

lavage and saline laxatives. Antidote: There is no known specific antidote. follow attached directions. Treat symptomatically

Disposal Of Used Container: 1. the packages shall be broken and buried away from habitation, 2, the used packages shall not be left outside to prevent their re-use, 3, packages or surplus material and washings should be disposed off in safe manner so as to prevent environment or water pollution.

Storage Conditions: 1. the packages containing the insecticide shall be stored in seperate rooms or premises away from the rooms or premises used for storing other articles particularly articles or shall be kept in separate almirahs under lock and key depend upon the quantity and nature of the insecticides, 2, the rooms or premises meant for storing the insecticides shall be well built, well lit, dry, well ventilated and of sufficient dimension to avoid contamination with water vapour.

Chemical Composition

Imidacloprid a.i.(on 100% basis)	: 30.50 % M/M
Ethoxylated derivative of styrylated phenols	: 1.50 % M/M
Ethoxylated polymethacrylate in	
propylene glycol and water	: 4.50 % M/M
Trihydroxy propane	: 10.00 % M/M
Xanthane Gum	: 13.00 % M/M
Phenyl methoxy methanol	: 1.00 % M/M
Blend of methyl isothiozolone & its chloro derivative	: 1.00 % M/M
Water solution of Polydimethyl siloxane	: 1.00 % M/M
Water(demineralised)	: QS % M/M
Total	: 100.00% M/M

इमिडेक्लोप्रिड ३०.५% एस.सी. (अंर्तप्रवाही एवं स्पर्शीय कीटनाशक)

सावधानी : लेबल/पत्रिका पर निर्देशित फसलों के अलावा अन्य फसलों पर पयोग करना मना है यह एक अंर्तप्रवाही कीटनाशक है जिसमें इमिडेक्लोप्रिड सक्रिय तत्व है तथा बाकी निष्क्रिय और सहयोगी पदार्थ है। इसका प्रयोग इमारतों में दीमक की रोकथाम तथा कपास के माह, तेला व च्रदा

तथा धान में भूरे पीठ के फूदके व सफेद पीठ के फूदकों की रोकथाम के लिए किया जाता है। उपयोग: इसका प्रयोग इमारतों में दीमक तथा फसलों में अन्य कीडों के नियंत्रण के लिए नीचे दिए गए विवरण के अनुसार किया जाता है: (क) इमारतों: इसका प्रयोग इमारतों में दीमक की रोकथाम के किए निम्न प्रकार किया जाता है – निर्माण से पहले: रसासन के घोल का निर्धारित मात्रा में समान रूप से उपचार की सभी अवस्थाओं में प्रयोग करना चाहिए। हाथ से चलने वाले स्प्रेयर अथवा फव्वारे द्वारा रसायन के घोल का छिडकाव करना चाहिए।

चिनाई वाली नींव का उपचार: १. नींव के गडढ़ों की निचली सतह और किनारे की दीवारों पर 30 से.मी. की उचांई तक ५ ली. प्रति वर्ग मीटर की दर से छिडकाव करें। २. नींव के ढांचे के संपर्क में भराई की गई जमीन पर ७.५ ली. प्रति वर्ग मीटर से दोनों तरफ छिडकाव करें। ३. आर.सी.सी. नींव का उपचार: जमीनी सतह के ५० से.मी. नीचे तक ७.५ ली. प्रति वर्ग मीटर कर दर से छिड़काव करें। ४, प्लिन्थ की उपरी सतह का उपचार: प्लिन्थ की उपरी सतह की मिटटी का फर्श बिछाने से पहले रसायन के घोल द्वारा ५ लि. प्रति वर्ग मीटर सतह की दर से उपचार करें। ५. इमारत के चारों तरफ बाहर की मिटटी का लपचार: डमारत के चारों तरफ बाहरी दीवार के संपर्क में आने वाली मिटटी को १५ से.मी. की दूरी पर ३० से.मी. की गहराई तक खोदें जिससे कि बुनियाद की दीवार दिखाई दे। दवाई के घोल को दीवार के साथ-साथ ७.५ ली. प्रति वर्ग मीटर की दर से डालें। ६. इमारत के चारों तरफ के पट्टे के नीचे की मिट्टी का उपचार: पट्टा बिछाने से पहले मिट्टी की उपरी सतह पर दवाई का ५ ली. प्रति वर्ग मीटर की दर से छिडकाव करें।

भवन निर्माण के बाद: १, इमारत के चारों तरफ बाहर की मिटटी का उपचार: इमारत के चारों तरफ बाहरी दीवार के संपर्क में आने वाली मिटटी को १५ से.मी. की दरी पर 30 से.मी. की गहराई तक खोदें जिससे कि बनियाद की दीवार दिखाई दे। दवाई के घोल को दीवार के साथ-साथ ७.५ ली. प्रति वर्ग मीटर की दर से डालें। २. फर्श के नीचे की मिटटी का उपचार: फर्श में पड़ी दरारों से दीमक की रोकथाम के लिए फर्श के नीचे की मिटटी का जपचार करना चाहिए। फर्ष और दीवार के जोड़ पर १२ मि.मि. गोलाई के और ३०से.मी. गहरा छेद करें ताकि दवा मिट्टी तक पहुंच सके। दवा के घोल को १ लीटर प्रति छेद की दर से डालें और छेद को बंद करें। ३. चिनाई करी दीवारों में रिक्त स्थानों का उपचार चिनाई की गई दीवारों के दारा टीमक के फैलाव को रोकने के लिए प्लिन्थ दीवार के दोनों तरफ 30सेमी के अंतराल पर ४५ डिग्री के कोण पद छेद करें और दवा के घोल का परी तरह भेदकर छेद को बंद कर दें। ४. डपर की मंजिलों का उपचार: यदि दीमक का फैलाव डपर की मंजिलों पर है तो जमीनी तल का डपर बताए गए तरीके से उपचार करें।

(ख) कृषि फसलें: इसका उपयोग कपास के माह, तेला व चुरदा तथा धान में भूरे पीठ के फुदके व सफेद पीठ के फदकों की राकथाम के लिए २१-२६,२५ ग्रा. स. त./हेक्टर (६०-७५ मि. लि. संरचना) की दर से ५००-७५० लीटर पानी में घोल कर किया जाता हैं। कपास का प्रतिक्षा काल २६ दिन तथा धान का ३७ दिन है।

उपयाग						
फसल	कीट	प्रति हैक्टेयर	मात्रा	पानी की	अन्तिम छिडकाव	पुनः प्रवेश की
	के नाम	स.तत्व	संरचना	मात्रा	तथा फसल काटने	अवधि प्रत्येक
		(ग्राम)		(ਲੀਟर)	के बीच अन्तराल	छिड़काव के
					(द्यों में)	बाद (घंडे)
कपास	माहू, तेला, चुरदा	२१.२६.२५	६०-७५	400-040	રદ્	-
चावल	भूरा फुदका,	२१.२६.२५	€0-04	400-040	30	-
	सफेद पीठ फुदका					

जपयोग के लिए निर्देश : इमिडैक्लॉप्रिड ३०.५% एस.सी. का प्रयोग ०.०७५% सक्रिय तत्व अथवा २.१ मि.ली. उत्पाद संरचना को १ लीटर घोलकर इमारत निर्माण के दौरान अथवा बाद में दीमकों की रोकथाम के लिए करना चाहिए। उपचार, आई.एस. ६३१३ (भाग - २) निर्माण से पूर्व रासायनिक उपचार और आइ. एस. ६३१३ (भाग - ३) : २००१ पूर्व निर्मित भवनों का उपचार पर

प्रयोगकर्ताओं के लिए सावधानियां : जहरीला। रखने में सावधानी बरतें। इसे न तो छुएं और न ही सांस भीतर जाने दीजिए। रसायन के रखने में रबर के दस्ताने और मुखौटा इस्तेमाल करें।

विष के लक्षण : विरक्त, मायटोनिया, कष्ट श्वास, कंपकंपी, मायोस्पास्म

प्राथमिक चिकित्सा : यदि कीटनाशक आँखों में गया है तो आँखों को तरंत घो लें। विषबाधा की अवस्था में लगातार रक्त दाब एवं नाड़ी परिक्षण करते रहें। रक्त दाब का गिरना एवं ब्रेडिकार्डिया की संभावना हानेने के कारण कृत्रिम श्वसन एवं हृदय क्रिया को बनाए रखना आवश्यक है। अमाशय में गए विष को अमाशय की धलाई एवं क्षारीय विरेचक के माध्यम से शरीर से बाहर निकालें।

विष नाशक : कोई विशिष्ट विष निवारक ज्ञात नहीं है। डॉक्टरी इलाज लक्षणों के प्रमाण से करें। खाली डिब्बों का निपटारा : १. खाली डिब्बों को जानवरों तथा इंसान के रहने वाली जगह से दर नष्ट

करें तथा जमीन में गांड दीजिए। २. खाली डिब्बों को बाहर न रखिए ताकि दबारा इस्तेमाल न हो सके। ३. डिब्बों, बचा हुआ कीटनाशक तथा सफाई वाले पदार्थों को सावधानी से एक तरफ फैंके ताकि वातावरण या पानी दिषत न हो।

संग्रहण की शर्तें: १, कीटनाशक के डिब्बों को अलग कमरों में रखिए तथा अन्य पदार्थ के रखने वाली जगह से दूर रखिए। कीटनाशक के संख्या तथा प्रकार के हिसाब से अलग तालाबन्द अलमारी रखिए। २. कीटनाशक कमरा या जगह सूखी, हवादार, मजबूत, बनावट, रोशनीदार तथा बड़े आकार वाली होनी चाहिए तथा हवा दिषत न हो।

मिडिक्लोग्रिड सक्रिय तत्व (२००% के आधार पर) ध्यावसीलेटेड डेरिवेटिव ऑफ स्टीरालेटेड फिनाल ध्यावसीलेटेड धार्तीम्थाकाइलेट इन प्रोपाइलीन ग्लाइकौल एंड वाटर महासहाइलसी प्रोपेन मैत्रेचेन गम फेनाइल मिथौरसी मिथेनाल मैथाइल आइसोधायोजोलन और इसके क्लोरों डेरिवेटिव का मिश्रण मालोडाइनियाइल सिलोक्सेन का पानी में घोल	: 30.40% एम/एम : 9.40% एम/एम : 8.40% एम/एम : 90.00% एम/एम : 93.00% एम/एम : 9.00% एम/एम : 9.00% एम/एम : 9.00% एम/एम
गलीडाइमिथाइल सिलोक्सेन का पानी में घोल	: १.००% एम/एम
गनी (डीमिनरलाइज्ड)	: पर्याप्त मात्रा% एम/एम
<u> ग</u> ोग	: १००.००% एम/एमा

సూనర్మిడా

ఇమిడాక్టోపిడ్ 30.5% ఎస్.సి (అంతర్వాహిక మరియు స్పర్స చర్య కీటకనాశని)

హెచ్చరిక : జతపరచిన కరపత్రములో పేర్కొన్న పైర్లపైనే ఈ మందును ఉపయోగించవలెను. మిగతాపైర్లపై ఉపయోగించరాదు.

అంతర్వాహిక కీటకనాశనైన దీనినందు ఇమిడాక్డ్ స్టిడ్ సక్రియ పదార్ధంగానూ, మిగతా సహౌషదాలు మరియు స్టబ్దతగల పదార్ధాలు కలవు. ఇది బిల్డింగ్ల్లకు పట్టే చెదలను అరికట్టుటకై వాడబడుతుందు.

సిఫారసులు: ఇది ఇండ్లలోని చెదలను ఆరికట్టుటకు ఈ క్రింది నివ్వబడిన రీతిగా వాడవచ్చును. కట్టడం కట్టకముందు: వాడకం యొక్క బ్రతి దశనందు ఈ కెమికల్ ఎమల్షనంను ఏకరీతిలో ఈ కింద ఇవ్వబడిన రీతిలో వాడాలి. హ్యాండ్ ఆవరేటెడం (స్పేయర్ లేదా వాటరింగ్ క్యాన్లను ఈ కెమికల్ ఎమల్షన్

నాడుటకే ఉపయోగించనచుం. పునాదులకు నాడే నిదానము

1. పునాదుల కింద బాగం మరియు పక్కలందు 30పిం.మీ. ఎత్తు నరకూ ఈ కెమికల్ ఎమలసన్ను పత్ చదరపు మీటర్ను 5 లీటర్ల చొప్పన ఉపరితలం ఏరియాలపై వాడాలి

2. ఫునాదులు వేసిన పిదప గోడకు వేసే మటిఇటనందు బ్రతి చ.మీ.లు 7.5 సీ

క్కటొప్పున గోడకు రెండు వెఫులా దీన్ని వాడాలి.

ె. 3. ఆర్స్ సిత్ నిర్మించిన పునాదులకు వాడకం: నేల మట్టానికి 50 సెం.మీ.ల లోతులో బ్రతి చదరపు మీటర్కు

4. ఫ్లింత్ ఏరియా పూడ్పి దాని ఉపరితలంపై వాడకం: పూడ్చబడిన ఫ్లింత్ ఏరియాలపై, గోడలకు చదరపు మీటర్కు 5 లీటర్ల చొప్పున ఈ కెమికల్ ఎమల్షన్స్ వాడాలి. కట్టడం అయిన పిదవ:

ు. 1. బిల్డింగ్ బయటవైపు గోడ వెంబడిగల మట్టికి వాడటం: గోడచుట్మాగల నేలమీద 30 సెం.మీ.ల లోతులో ్డుతి 15 సెం.మీ. దూరంలో కన్నాలు చేసి ఆ కన్నాలు పునాది గోడకు తగిలే వుండాలి. అందు ప్రతి చదరవు మీటర్కు 75 లీటర్ల చొప్పున కలిపిన ఈ మిశ్రమాన్ని నిటారుగా నింపాలి.

2. బిల్లింగ్ చుట్టూ గోడల ప్రక్కనున్న నేలకు వాడకం: బిల్లింగ్ చుట్టూ వేసీ మరియు గోడలకు అంటిపెట్టి వుండేలా వేసే మట్టికి ఈ కెమికల్ (దావకాన్స్ స్థుతి చదరపు మీటర్కు 5 లీటర్ల చొప్పున వాడాలి.

3. ఖ్లారింగ్ క్రిందగల నేలమీద వాడకం: పగుళ్ళద్వారా చెదల ప్రవేశం కాకుండా ఆరికట్టుటకై ఫ్లేరింగ్ క్రిందగల నేల మీద వాడాలి. 12 మి.లీ.ల లోతులో, 30 సెం.మీ. దూరంగా కన్నాలు చేయాలి. ఆవి ఖ్లకింగ్ కిందగల నేలను తట్టేలా ఫుండాలి. ఒక్కొక్క కన్నంలో ఒక్కొక్క లీటర్ చొప్పన ద్రావకాన్సి నింపి కన్సాలను

. 4. కట్టిన గోడల మీద వాడకం: స్టింత్ గోడలకు రెండు వైపులా 45 డిగ్రీల కోణంలో కట్టిన గోడలకు కంతలు చేసి అందు ఈ ద్రావకాన్ని నింపాలి. అవి 30 సెం.మీ. దూరంలో వుండాలి. ఇలా చేయడం ద్వారా చెదల గోడల మీద తిరగకుండా అరికట్టవచ్చు.

5. పై అంతస్థులకు వాడకం: ఒకవేళ చెదల పై అంతస్థులకు ప్రాకినట్లయితే బిల్డింగ్ యొక్క గౌండ్ ఫ్లార్కు ముందు దీన్ని వాడాల్సి వుంది.

ప్పవ్రవార్యం సేద్య పెంటలకు : ట్రక్షి పైరును ఆశించు పచ్చదోమ, సేసుబంక, తామర పురుగులు మర్ము వరిపైరును ఆశించు దోమతోటు (సుడిడోమ), శిజ్ఞవీపుగల సుడిదేమలను అరకట్టుకు : 21-28,25 (p. స.ప./హ. (80-75 మ.కి.) బాజులు 1800-780 - లిటర్ల నీటర్లో కలపాలి. చివరి పేవరారీ నుండి కోత వరకు వేచి ఉండు రోజులు ప్రత్తి మరియు వరిలో 26 మరియు 37 రోజులు అవసరం

పంట		కేటక	మాతాదు/ఓ	ాక్టారుకు	స్తీటిలో	చివరి వాడకం	ప్రచికార
		సాధారణ	ఎ.ఐ.	ఫార్ములేషన్	పలుచన	మరియు కోత	ప్రతిసారి
		నామము		ద్రావణం	(లీటర్లు)	మధ్య వ్యవధి	మరల
			(ഗ്ര	(మల్)		సమయము	కనబడుట
						(రోజులలో)	(గంటలలో)
	డ్రత్తి	పేనుబంక, పచ్చదోమ	21-26.25	60-75	500-750	26	
		తామరపురుగులు					
	ప రి	సుడిదోమ	21-26.25	60-75	500-750	37	

మందు ఉపయోగించే సూచనలు : ఇమిడాక్టోప్రిడ్ 30.5% ఎస్.సి ని 0.075% స.ప. గాఢత కలిగి ఉన్నది. 2.1 మి.రీ. 1 లీటరు నీటి మాతాదులో భవనములలోని చెదపురుగులను అరికట్టటకు భవనములను నిర్మించినప్పుడు మరియు నిర్మించిన తరువాత ఉపయోగించవలిను. ఇమిడాగ్లోఫిడ్ 30.5% ఎస్.సి ఉపయోగనుు ఐ.ఎస్ 6313 (ఇసుమ. -2): 2001 ఇహినా భవనములు నిర్భించుకున్న ముందు త రస్తోయని వాడుకము ఐ.ఎస్ 6313 (భాగము -3) 2001 నిబంధనలు, భవన నిర్మాణం తదుపరి సూచించిన ప్రమాణములను కలిగి ఉండాలి.

-ముందు జాగ్రాత్తలు : ఇది విషపూరితమైన గను చాలా జాగ్రత్తగా వాడాల్స్ ఉంది. దీన్ని ముట్టుకోవడం లేదా పిల్పడం చేయుందు. దీన్ని చక్షటపుడు ముఖకవచము మరియు చేతికి తొడులు వాడాల్సి ఉంది. విషలక్షణాలు: ఉదాసీనత, కండరాలు వొణకడం, శరీరం వొణకడం, శ్వాన పీల్పడంలో యిబ్బంది మరియు

ముందు జాగ్రత్తలు: ఇది విషపూరిమైంది గనుక చాలా జాగ్రత్తగా వాడాల్సి పుంది. దీన్ని ముట్టుకోవడం లేదా పీల్పడం వేయరాదు. దీని జల్జేటప్పుడు ముఖానికి మాస్స్ మరియు చేతికి తొడుగులు వాడాల్స్ వుంది.

్ట్రార్థమ చికిత్స : ఒకవేళ ఈ ఉత్పాదన కళ్ళలో పడితే వెంటనే శుభమైన నీటిని కళ్ళలో కొట్టుకోవాలి మరియు -శుభవర్పుకోవాలి. ఒకవేళ విషప్థారితమైతే బ్లడ్(పెషర్ మరియు నాడి కొట్టుకొనే రీతిని తరుచుగా చూస్తూ వుండాలి. ఎందుకంటే గుండె బాగా కొట్టుకోవడం మరియు బ్లడ్మేషర్ తగ్గిపోవడం లాంటివి ా ... సంభవించవచ్చు. కృత్రిమ శ్వాన మరియు గుండెకు కృత్రిమ చర్యలను ఇవ్వాల్సినదిగా సిఫారసు చేయబడుతుంది. గ్యాస్టిక్లో లేదా సెలైన్ల్ ఎక్కించి ఈ సక్రియ పదార్ధాన్ని బయటకు వచ్చేలా

విరుగుడు: బ్రత్యేకించి దీనికి ఫలానా విరుగుడు అంటూ ఏమీలేదు. ఇవ్వబడిన సూచనలను జాగ్రత్తగా పాటించాలి. విషలక్షణాలనుబట్టి చికిత్స జరిపించాలి.

నిల్వ: ఈ కీటకనాశనిని నిల్వ చేసే గదులు లేదా ఆవరణలు ఇతర పదార్థములను అంటే మరి ముఖ్యంగ ఆహార పదార్ధములను, పశువుల దాణాను నిల్వచేసే గదులు ఆవరణలకు దూరంగా వీటి యొక్క పరిమాణము మరియు నైజాన్నిబట్టి వేరువేరు ఆలమారాలలో పెట్టి తాళం వేసి బిగెంచి మాత్రమే నిల్వ చేయాలి. 2. ఈ కీటకనాశనిని నిల్వ చేసే గదులు లేదా ఆవరణలు మంచి గట్టి కట్టడములై, పొడిగా, మంచి గాలీ వెలుతురు ప్రసరించేలా విశాలంగా వుండాలి. తద్వారా పీటి ఆవిరివల్ల పరిసరాలు కలుషీతం కాకుండా

ఖాళీ డబ్బాలను పారవేయు విధానము: 1. ఖాళీ డబ్బాలను పగులకొట్టి మనుష్య సంచారానికి దూరంగా పాతిపెట్టాలి. ఖాళీ డబ్బాలను తిరిగి ఏవిధంగానూ వాడరాదు గనక వాటిని అలా బయట వదిలేయరాదు. ఖాళీ ప్యాకేజీలు, మిగిలిపోయిన మందును, పరికరాలను కడుగగా వచ్చిన నీటిని సురక్షితమైన రీతిలో అంటే పరిసరాలేమీ లేదా నీరు. నీటి వొనరులేమీ కలుపితం కాకుండా కాపాడుకుంటూ పారవేసుకోవాలి.

రసాయనిక మిశ్రమము ఇమిడాక్టోప్రిడ్ స.ప. (100% మీద ఆధారితం)

ఇమిడాక్డోథ్రిడ్ స.ప. (100% మీద ఆధారితం)	: 30.500% ఎమ్/ఎమ్
ఎథోగ్లిలేటెడ్ డెరివేటివ్ ఆఫ్ స్టెరి లేటెం	్ : 1.500% ఎమ్/ఎమ్
ఎథోగ్జిలేటెడ్ పాలీమెథాడైలేట్ ఇన్ ప్రాపిలేన్	
గ్లైకోస్ మరియు నీరు	: 4.500% ఎమ్/ఎమ్
	: 10.00% ఎమ్/ఎమ్
్టాంన్థేన్ జగురు	: 13.00%ఎమ్/ఎమ్
ఫినైల్ మెథాక్సి మెథనాల్	: 1.00% ఎమ్/ఎమ్
బ్లెండ్ ఆఫ్ మిథైల్ ఐసోథిఓజోలోన్ మరియు	
వాటి క్లోరోడెరివేటివ్	: 1.00% ఎమ్/ఎమ్
పాలీడైమిథైల్ సిలిక్టాల్ యొక్క నీటి ద్రావకం	: 1.00% ఎమ్/ఎమ్
నీరు, ఖనిజ లవణాలు లేనిది	: చాలినంత
మొత్తం	: 100.00% ఎమ్/ఎమ్



SUPERMIDA

Imidacloprid 30.5% S.C. Systemic and Contact Insecticide

సూపర్మడా ఇమిడాక్ట్ పిడ్ 30.5% ఎస్.సి.

అంతర్వాహిక మరియు స్పర్తు చర్య కీటకనాశని

इमिडेकलोप्रिड ३०.५ प्रति. एस.सी.

अंर्तप्रवाही एवं स्पर्शीय कीटनाशक

ಸೂಪರ್ಮಿಡಾ

ಇಮಿಡಾಕ್ಲೊಪ್ರಿಡ್ 30.5% ಎಸ್.ಸಿ.

ಅಂತರವಾಹಿಕ ಹಾಗೂ ಸೃರ್ಶ ಚರ್ಯೆ ವುಳೃ ಕೀಟನಾಶನಿ

Caution: "Not To Be Used On Crops Other Than Specified On This Label/leaflet".

INSTRUCTIONS **FOR USE**

KEEP OUT OF THE REACH OF CHILDREN పిల్లలకు దూరముగా ఉంచండి. बद्यों से दर रखिए। ಮಕ್ಕಳಿಗೆ ಸಿಗದಂತೆ ದೂರವಿಡಿ.



READ THE ENTIRE LABEL AND LEAFLET BEFORE USE ఉపయోగించుటకు ముందు లేబిల్ను మరియు కరపత్రమును జాగ్రత్తగా చదువవలయును. इस्तेमाल करने से पहले सारी पर्ची पूरी तरह पढिये।

Manufactured & Marketed by :



237, Main Road, Mallepally (V).

Kondapur (M), Sangareddy Dist - 502295. Telangana State. Customer Care Manager No. +91 8498099536

Email: aegisagrochemicals@gmail.com / www.aegisagro.com Mfg Licence No: 019/TS-IML/2016

Regn. No.: CIR-111274/2014-Imidacloprid (SC) (344)-103 For Agriculture use only. केवल कृषि उपयोग के लिए।

















इमिडाक्लोप्रीड ३०.५% एस.सी. (अन्तर्प्रवाही आणि संपर्क किटकनाशक)

इशाराः हे लेबल/पस्तिकेत नमद केल्याखेरीज अन्य पिकांवर याचा वापर करु नये.

हे आंतरवाही कीटनाशक आहे, ज्यात इमिडाक्लोप्रिड सक्रिय तत्व आहके व बाकी निष्क्रिय आणि सहायक पदार्थ आहेत. हयाचा वापर इमारतीमधील वाळवीच्यां नियंत्रणसाठी केला जातो शिफारसः हयाचा उपयोग इमारतीमध्ये वाळवीच्यां नियंत्रणसाठी खालील प्रकारे केला जातो. इमारत बांधणीच्या आधीः रासायनिक द्रावण संगितलेल्या प्रमाण समान रूपात उपचाराच्या सर्व अवस्थंमध्ये वापरले पाहिजे, हण्ड आपॅरेटेड स्प्रेयर वा फवारा द्वारे रासायनिक द्रावण फावरले पाहिजे.मेसिनरी फाऊंडेशनचा उपचार: १) फाऊंडेशन खालच्या पृष्ठभागवर आणि बाजूच्या भितीवर ३० से.मी. च्या उंचीपर्यंत ५ ली. प्रति स्क्रेअर मीटरच्या प्रमाणवाने फवारावे. २) पाया घातलेल्या भरणीतील फाऊंडेशनला लामून आसलेल्या जमीनीवर ७.५ ली. प्रति स्क्नेअर मीटरच्य प्रमाणाने दोन्ही बाजूला फवारा. ३) आर.सी.सी. पायाचा उपचार : जिमनीच्या पृष्ठभागापासून ५० सेमी खोलवर ७.५ ली. प्रति स्क्रेअर मीटरच्या प्रमाणात फवारावे ४) प्लिन्थच्या वरील पृष्ठभागावर उपचार: प्लिन्थच्या वरील पृष्ठभागावर प्रमाणात उपचार करा ५) इमारतीच्या चहुबाजूनी बाहेरील मातीचा उपचार: इमारतीच्या चहूबाजूनी बाहेरील मितीच्या संपर्कात येणाऱ्या मालीलना १५ से.मी. च्या अंतरावर ३० सेंमी. खोल खणावे म्हणजे त्यामळे पायाची मित दिसेल. दावणाचे मिश्रण मिती बरोबरच ७.५ ली. प्रति स्क्वेअर मीटरच्या प्रमाणात घालावे. ६) इमारतीच्या चहुबाजूच्या पट्ठयांखलील मातीचा उपचार : पट्टा पसरवण्याआधी माताच्या वरील पृष्ठाभागावर द्रावणाचे ५ ली. प्रति स्क्रेअर मीटरच्या प्रमाणात फवारावे. इमारत बांधणीनंतर : १) इमारतीच्या चहबाजंनी बाहेरील मातीचा उपचार : इमारतीच्या चहबाजूंनी बाहेरील भिंतीच्या संपर्कात येणान्या मातीला १५ से.मी. च्या अंतरावर ३० सेंमी. खोल खणावे म्हणजे त्यामुळे पायाची भिंत दिसेलध द्रावणाचे मिश्रण भिंती बरोबरच ७.५ ली. प्रति स्क्रेअरमीटरच्या प्रमाणात घालावे २) इमारतीच्या चहुबाजूच्या पट्ठयांखलील मातीचा उपचार : पट्टा पसरवण्याआधी मातीच्या वरील पृष्ठभागावर द्वावणाचे प ली. प्रति सक्केअर मीटरच्या प्रमाणात फवारावे ३) लादी खालील मातींचा उपचार : लादीला पडलेल्या भेगामधन येणान्या वाळवीच्या नियंत्रणासाठी खालील मातींचा उपचार केला पाहिजेध जादी आणि भींतीच्या जेडणीजवळ १२ मि.मी गोलाकाराची ३० सें.मी. अतंरावर भेक पाडा महणजे जापने आर्थित यो ज्वजीशांक्य न दर्गणाना गिराजांत र इंटिस्पान वे दिस्पान है है. द्वाराण मातीश्वित योह्यू संक्षेत्रक द्वाराण्या गिराजांत १ डीटर प्रत्येक भेकारे प्रसाणाने घाता आणि भेक बंद करा ४) मेसिनची भागित रिकाम्य जागिच्या उपचार : मेसिनची करेल्या मितिद्वारे बाळवी केलावाच्या नियंत्रणसाठी जिल्ल मितीसचा दोन्हीं बागुल 50 से.मी. च्या अंतरावर ४५ च्या कोनात भेग पाडावी आणि द्वावणाचे मिश्रण पूर्णपणे भरून भेक बंद करावे ५) वरच्या. (ब) शेतीची पिकेः कापसावरील मावा, तुडतुङे आणि फूलकीड आणि भातावरील तपिकरी तुडतुडा आणि पांढऱ्या पाठीचा तुडतुडा यांच्या नियंत्रणासाठी ऽ २१-२६,२५ ग्रॅम स.त./हे. (६०-७५ मिली द्रावण) ५००–७५० लिटर पाण्यात विरघळवून वापरावे. कापूस आणि भातासाठी प्रतीक्षा कालावधी २६ आणि ३७ दिवस आहे

पिक(के)	किडीचे	मात्रा/हेक्टर		पाण्यातील	अंतिम फवारणी ते	प्रत्येक
	सामान्य नाव	स.त. (ग्रॅम)	द्रावण (मिली)	द्रावण (लि.)	कापणी दरम्यान प्रतीक्षा कालावधी (दिवसांमध्ये)	फवारणीनंतः पुनःप्रवेश (तासांमध्ये)
कापूस	मावा, तुडतुडे, फूलकीड	२१-२६.२५	€0-64	400-040	२६	
भात	तपकिरी तुडतुडा, पांढऱ्या पाठीचा तुडतुडा	२१-२६.२५	€0-04	400-040	30	

वापरण्यासाठी निर्देशः इमिडाक्लोप्रीड ३०.५% एस.सी. याचा वापर ०.०७५% स.त. संप्रक्त अवस्थेत म्हणजे २.१ मिली फॉर्म्यूलेटेड उत्पादन १ लिटर पाण्यात मिसळून इमारतीच्या बांधकामाच्या आधी आणि नंतर वाळवीच्या नियंत्रणासाठी वापरावे. उपचार खंड ६३९३ (भाग-२) २००१ नुसार बांधकाम-पूर्व रसायनिक उपचारासाठी आणि खड ६३१३ (भाग-३) २००१ बांधकाम-पश्चात् उपचारासाठी करावा.

खबरदारीः विषारी. काळजीपूर्वक हाताळावे. औषधाला स्पर्श करु नये किंवा हुंगू नये. उत्पादन हाताळताना रबरी मोजे आणि चेहऱ्यावर मुखवटा घालावा

मजल्यांचा उपचार : जर वाळवीचा फैलाव वरील मजल्यांवर झाला असेल तर वरी मजल्यांवर जपनार वर संगित्न्या प्रमाणे करावा

विषबाधेची लक्षणे : उदासीनता, मायओनिया, कंप, श्वास घेण्यास त्रास व मायोस्पास्म

खबरदारी : विषारी, काळजीपूर्वक हालाळा, हाला हात लावू नका वा श्वासदारे आत घेवू नकाब हे रसायन हाताळलाना रबरी हातमोजे व चहेन्याचा मुख्या वापरा

प्रथमोचार : हे उत्पादन जर डोळयात गेले असेल तर. डोले त्वरित पाण्याने धूवा जर विषबाधा झाली असेल तर त्यावेळी सतत खत दाब व नाडी तापासातरहा रक्त दाब कमी होणे वा ब्रेडिकाडियाची संभावना होण्यच्या कारणाने कृत्रिम श्वसन व हृदयक्रिया चालू ठेवणे आचश्यक आहे. पोटात गेल्यास विषाला गॅस्ट्रक लवेज वा सलाइन लॅक्साटिव द्वारे शरीरातून बाहर कोढा. विषनाशक : कोणतेही खास विशिष्ट विषनाशक नाही जोडलेल्या नियमांचे पालन करा. लक्षणानुसार उपचार करा.

साठवण : १) हे कीटनाशक असणारी प्रकेजिस इतर माल ठेवणयासाठी असलेल्या जागा वा खोल्या यापासन दर जागी वा खोल्यात किंवा कीटनाशक कांचा दर्जा व स्वरूप यांचा विचार करून कपाटात कडीकूलपात ठेवावीत २) हे कीटनाशक साठाकरून ठेकयाची जागा उतम बांधणीची कोरडी हवा खेळती राहणारी भरपूर उजेडाची व पूरेशी मोठी असावी त्यांमूळे वाफॉनी

रिकाम्या डब्चांचीविळलेवाट : १) रिकामी पॅकेजिस मोडून तोडून वस्तीपासून दूर जागी जमिनीत खोल पुरावीत २) पुनः अन्य कामासाठी वापरली जाँक नयेत म्हणून रिकामी पॅकेजिस उघडयावर टाकू नयेत ३) पॅकेजिस किंवा उरलेले द्रावण किंवा फवारणीची उपकरीण धुतलेले पाणी यांची विल्हेवाट पर्यावरण किंवा पाणी प्रदृषित होणार नाही अशा सुरक्षित पद्धतीने लावावी

रासाधान	42	7.1	Υ.	4	1
-	->4	_		-	

इमिडाक्लोप्रिड स.त. (१०० वर आधारित)	: ३०.५०% एम/एम
इथॉक्सिलेटेड डेरिवेटिव ऑफ स्टीराइलेटेड फिनॉल	: १.५०% एम/एम
इथॉक्सिलेटेड पॉलीमेथाक्रीलेट इन प्रोपाइलीन	
ग्लाइकॉल आणि पाणी	: ४.५०% एम/एम
ट्राइहाड्रॉक्सी प्रोपेन	: १०.००% एम/एम
झेनथेन गम	: १३.००% एम/एम
फिनाइल मिथॉक्सी मिथेनॉल	: १.०००% एम/एम
मिथाइल आइसोथायोझोलोन आणि त्याचे	
क्लोरो उरिवेटिवचे मिश्रण	: १.०००% एम/एम
पॉलीडाइमिथाइल सिलोक्सेनचे पाण्यात मिश्रण	: १.०००% एम/एम
पाणी डीमिनरलाइज्ड	: पुरेसे प्रमाण बनविण्याासाठी
एकूण	: १००.०००% एम/एम

ಸೂಪರ್ಮಿಡಾ

ಇಮಿಡಾಕ್ಟೋಪ್ಕಿಡ್ 30.5% ಎಸ್ಸ್ (ವ್ಯವಸ್ಥಿತ ಮತ್ತು ಸರ್ಶಿಸುವ ಕೀಟನಾಶಕ)

ಎಚ್ಚರಿಕೆ : ಈ ಲೇಬಲ್ / ಭಿತ್ತಿಪತ್ರದಲ್ಲಿ ತಿಳಿಸಿರುವ ಬೆಳೆಗಳನ್ನು ಹೊರತುಪಡಿಸಿ ಬೇರೆ ಬೆಳೆಗಳ ಮೇಲೆ ಇದನ್ನು ಉಪಯೋಗಿಸಬಾರದು.

ಇದು ಇಮಿಡಾಕ್ಲೋಪಿಡ್-ಅನ್ನು ಸಕ್ತಿಯ ಘಟಕವಾಗಿ ಜಡ ಘಟಕಗಳನ್ನು ಉಳದ ಸಾಮಗ್ರಿಯಾಗಿ ಹೊಂದಿರುವ ಅಂರ್ತ ವ್ಯಾಪಿ (ದೇಹಾಂತರ್ಗತಗೊಳ್ಳಬಲ್ಲ) ಕೀಟನಾಶಕವಾಗಿದೆ. ಇದನ್ನು ಕಟ್ಟಡಗಳಿಗೆ ತಗಲುವ ಗೆದಲು ಹುಳುಗಳ ನಿಯಂತ್ರಣಕಾಗಿ ಬಳಸಲಾಗುತ್ತದೆ. ನಿರ್ದೇಶನ: ಇದರ ಉಪಯೋಗ ಕಟಡಗಳಿಗೆ ತಗಲುವ ಗೆದ್ದಲು ಹುಳುಗಳ ನಿಯಂತ್ರಣಕಾಗಿ ಕೆಳಗಿನ ಪ್ರಕಾರಗಳಲ್ಲಿ ಮಾಡಲಾಗುತ್ತದೆ. ನಿರ್ಮಾಣದ ಮೊದಲು: ಉಪಚಾರದ ಎಲ್ಲ ಹಂತಗಳಲ್ಲೂ ರಾಸಾಯನಿಕದ ಇಮಲ್ಲಿಕೃತ ದ್ರಾವಣವನ್ನು ಸೂಚಿತ ಪ್ರಮಾಣದಲ್ಲಿ ಎಕಪ್ರಕಾರವಾಗಿ ಪ್ರಯೋಗಿಸಬೇಕು. ರಾಸಾಯನಿಕದ ಇಮಲೀಕ್ಷತ ದ್ರಾವಣವನ್ನು ಹಸ್ತಚಾಲಿತ ಸ್ಟೇರ್ಯ ಅಥವಾ ನೀರಿನ ಕ್ಯಾನ್ ಉಪಯೋಗಿಸಿ ಪ್ರಯೋಗಿಸಬಹುದು. ಪಂಚಾಂಗ (ಅಸ್ತಿವಾರ)ದ ಕೆಲಸದಲ್ಲಿ _ ಪ್ರಯೋಗ: 1. ಪಂಚಾಂಗದ ಹೊಂಡದ ಬುಡಕ್ಕೆ ಹಾಗೂ ಎಲ್ಲ ಬದಿಗಳಿಗೆ 30 ಸೆ.ಮೀ. ಎತ್ತರದ ಪ್ರತಿ ಚ.ಮೀಟರ್ ಜಾಗಕ್ಕೆ 5 ಲೀಟರ್ ರಾಸಾಯನಿಕದ ಇಮಲ್ಲಿಕೃತ ದ್ರಾವಣವನ್ನು ಉಪಯೋಗಿಸಬೇಕು. 2. ಘೌಂಡೇಶನ್ ರಚನೆಯಲ್ಲಿ ರಚನೆಗೆ ಅಂಟಿಕೊಂಡು ತುಂಬಿಸುವ ಮಣ್ಣಿಗೆ ಚ.ಮೀ.ಗೆ. 7.5 ಲೀರ್ಟ ನಂತೆ . ಪ್ರಯೋಗಿಸಬೇಕು. 3. ಆರ್.ಸಿ.ಸಿ. ಫೌಂಡೇಶನ್ ಗಳಿಗೆ ಉಪಚಾರ: ನೆಲದ ಅಡಿ 50 ಸೆಮೀ. ಅಳದಲ್ಲಿ ್ಲ್ ಉಪಚಾರ ಆರಂಭಗೊಳ್ಳಬೇಕು 7.5 ಲೀ. ಪ್ರತಿ ಚ. ಮೀಟರ್.ಗೆ. 4. ಫ್ರಿಂತ್ ತುಂಬಿಸುವ ಮಣ್ಣಿನ ಮೇಲ್ಲೆಗೆ: ಪ್ರಿಂತ್ ಗೋಡೆಗಳಿಗೆ ತುಂಬಿಸುವ ಎಲ್ಲ ಮಣ್ಣಿನ ಮೇಲ್ಟದಿಯ ಮೇಲ್ಟೆಗೆ ರಾಸಾಯನಿಕದ ಇಮಲ್ಲಿಕೃತ ದ್ರಾವಣವನ್ನು ಮೇಲ್ಲೆಯ ಪ್ರತಿ ಚ.ಮೀ.ಗೆ 5 ಲೀಟರ್ ನಂತೆ ಬಳಸಿ ಅನಂತರವೇಕುಂಬಸುವ ಮರಳು ಅಥವಾ ಸಬ್ ಗ್ರೇಡ್ ಹಾಕಬೇಕು. 5. ಕಟ್ಟಡದ ಹೊರ ಅವರಣದ ಮಣ್ಣಿಗೆ ಉಪಚಾರ: ಕಟ್ಟಡದ ಹೊರಗೋಡೆಗಳ ಬಳಿ ಇರುವ ಮಣ್ಣಿಗೆ 15 ಸೆ.ಮೀ. ಅಂತರದಂತೆ 30 ಸೆ.ಮೀ. ತನಕ ಸರಳು ತೂರಿಸಿ, ಫೌಂಡೇಶನ್ ಗೋಡೆಗಳು ಪ್ರಭಾವಕ್ಕೊಳಪಡುವಂತೆ ಕೀಟನಾಶಕದ ಉಪಚಾರ ನೀಡಬೇಕು. ಇದಕ್ಕಾಗಿ ಲಂಬ ಮೇಲ್ಪೆಗೆ ಪ್ರತಿ ಚ.ಮೀ. 7.5 ಲೀಟರ ರಾಸಾಯನಿಕ ದ್ರಾವಣವನ್ನು ಸರಳು ಉಂಟುಮಾಡಿದ ಜೂತಿಗೆ ಸುರಿಯಬೇಕು. 6. ಕಟ್ಟಡದ ಹೂರಬದಿಯ ಸುತ್ತ ಮುಂಗವಚದ ಅಡಿಯಲ್ಲಿರುವ ಮಣ್ಣಿಗೆ ಉಪಚಾರ: ಮುಂಗವಚ (ಏಪ್ರನ್) ನಿರ್ಮಿಸುವ ಮೊದಲು ಆ ಜಾಗದ ಮಣ್ಣಿನ ಮೇಲ್ಟಿದಿಯ ಮೇಲೈಗೆ ಲಂಬ ರೀತಿಯಲ್ಲಿ ಪ್ರತಿ ಚ.ಮೀ.ಗೆ. 5 ಲೀಟರ ರಾಸಾಯನಿಕ ದ್ರಾವಣ ಸುರಿಯಬೇಕು. ನಿರ್ಮಾಣ ಆದ ಬಳಿಕ: 1. ಕಟ್ಟಡದ ಸುತ್ತಮುತ್ತ ಮಣ್ಣಿಗೆ ಉಪಚಾರ: ಕಟ್ಟಡದ ಹೊರಗೋಡಗಳ ಸುತ್ತ ಇರುವ ಮಣ್ಣಿಗೆ 15 ಸೆ.ಮೀ. ಅಂತರಕ್ಕೊಂದರಂತೆ 30 ಸೆ.ಮೀ. ಅಳದ ತನಕ ಸರಳು ತೂರಿಸಿ, ಫೌಂಡೇಶನ್ ಗೋಡಯ ಮೇಲೈ ಪ್ರಭಾವಕ್ಕೊಳಪಡುವಂತೆ ಉಪಚಾರ ನೀಡಬೇಕು. ಸರಳು ತೂರಿಸಿದರಿಂದ ಆದ ತೂತುಗಳಿಗೆ ಲಂಬ ನೇರದಲ್ಲಿ ಪ್ರತಿ ಚ.ಮೀ. ಗೆ 7.5 ಲೀಟರ್ ನಂತೆ ರಾಸಾಯನಿಕದ ದ್ರಾವಣವನ್ನು ಸುರಿಯಬೇಕು. 2. ಕಟ್ಟಡದ ಸುತ್ತಮುತ್ತ ಹೊರಬದಿಯ ಮುಂಗವಚದ ಮಣ್ಣೆಗೆ ಉಪಚಾರ: ಹೊರಬದಿಯ ಮುಂಗವಚ ಎಲ್ಲಿ ನಿರ್ಮಿಸಲಾಗುತ್ತದೋ, ಅಲ್ಲಿನ ಮಣಅಣೆನ ಮೇಲೆ ಪ್ರತಿ ಚ.ಮೀ. ಗ 5 ಲೀಟರನ ಪ್ರಕಾರ ಲಂಬ ಸೇರಕೆ ರಾಸಾಯನಿಕ ದ್ಯಾವಣದ ಉಪಚಾರ ನೀಡಬೇಕು. 3. ಕಟಡ ದೊಳಗಿನ ನೆಲದಡಿಗೆ ಉಪಚಾರ: ಬಿರುಕುಗಳ ಮೂಲಕ ಗೆದ್ದಲು ಹಳುಗಳು ಪ್ರವೇಶಿಸುವುದನ್ನು ತೆಡೆಗೆಟ್ಟಲು, ಕಟ್ಟಡ ದೊಳಗಿನ ನೆಲಕ್ಕೆ ಕೀಟನಾಶಕದ ಉಪಚಾರ ನೀಡಬೇಕು. ಇದಕ್ಕಾಗಿ ನೆಲ ಮತ್ತು ಗೋಡೆ ಕೂಡಿಕೊಳ್ಳುವಲ್ಲಿ ಪ್ರತಿ ಲೀಟರ್ ನಂಚೆ ರಾಸಾಯುನಿಕ ದ್ರಾವಣ ನುಸುಳಿಸಿ ಆ ಬಳಿಕ ತೂತು ಮುಚ್ಚಿರಿ. 4. ಮೇಸಿನರಿ (ಗಾರೆ, ಉಪ್ಪಾರ ಕೆಲಸ)ಯಲ್ಲಿ ಉಂಟಾದ ಕೊರತೆಗಳು: ಗಾರೆ ಕೆಲಸ ಮಾಡಿ ಪೂರೈಸಿದ ಗೋಡೆಗಳಲ್ಲಿ ಗೆದ್ದಲು ಹುಳುಗಳ ಚಲನೆಗೆ ಕಡಿವಾಣ ಹಾಕಲು ಸಾಧ್ಯವಿದೆ. ಇದಕ್ಕಾಗಿ ಗಾರೆಯಾದ ಪ್ಲಿಂತ್ ಗೋಡೆಗಳ ಮೇಲೆ, ಎರಡೂ ಬದಿಯಂದಲೂ 45... ಕೋನದಲ್ಲಿ ಪ್ರತಿ 30 ಸೆ.ಮೀ. ಅಂತರ ಬಿಟ್ಟು ತೂತು ತೂತು ಕೊರದು, ಅದರೊಳಗೆ ಇನ್ನು ಒಳ ಹೋಗಲು ಸಾಧ್ಯವಿಲ್ಲ ಎನ್ನುವಷ್ಟು ರಾಸಾಯುನಿಕ ದ್ರಾವಣವನ್ನು ಒಳ ತೂರಿಸಿ, ತೂತುಗಳನ್ನು ಮುಚ್ಚಬೇಕು. 5. ಮೇಲಿನ ಮಹಡಿಗಳಿಗೆ ಉಪಚಾರ: ಮೇಲಿನ ಮಹಡಿಗಳಲ್ಲಿ ಗೆದ್ದಲಿನ ಉಪಟಳವಿದ್ದಲ್ಲಿ ಮೇಲೆ ವಿವರಿಸಿದಂತೆ ತಳಮಹಡಿಗೆ ಉಪಚಾರ ನೀಡಬೇಕು. ಬಳಕೆಗಾಗಿ ನಿರ್ದೇಶನಗಳು: ಇಮಿಡಾಕ್ಟೋಪ್ರಿಡ್ 30.5% ಎಸ್೩ ಯನ್ನು 0.075% ಕಾನ್ ಸೆಂಟೆಲ್ರಶನ್ ನಲ್ಲಿ, ಅಂದರೆ 2.1 ಮಿಲೀ ಸೂತ್ರೀಕರಣದಲ್ಲಿ ಉತ್ಪನ್ನವನ್ನು 1 ಲೀಟರ್ ನೀರಿನಲ್ಲಿ ಬೆರೆಸಿ ಕಟ್ಟಡ ನಿರ್ಮಾಣದ ಬಳಿಕ ಮತ್ತು ಪೂರ್ವದಲ್ಲಿ ಗೆದ್ದಲುಗಳ ನಿಯಂತ್ರಣಕ್ಕಾಗಿ ಸಿಂಪಡಿಸಬಹುದಾಗಿದೆ. ನಿರ್ಮಾಣ-ಪೂರ್ವದ ಕೆಮಿಕಲ್ ಟ್ರೀಟ್ ಮೆಂಟ್ ಗಾಗಿ ಐಎಸ್ 6313 (ಪಾರ್ಟ್-2) 2001 ಪ್ರಕಾರ ಮತ್ತು ನಿರ್ಮಾಣ ಬಳಿಕದ ಟ್ರೀಟ್ ಮೆಂಟ್ ಗಾಗಿ ಐಎಸ್ 6313(ಪಾರ್ಟ್-3)2001 ಪ್ರಕಾರ ಶುಶ್ರೂಷೆ ಮಾಡಬೇಕು.

ಬೆಳೆ (ಗಳು)	ಕೀಟಗಳ ಸಾಮಾನ್ಯ ಹೆಸರು	ಡೋಬೇಜ್ /ಕ ಎ.ಐ. (ಗ್ರಾಂ)	ಕೆಕ್ಟೇರಿಗೆ ಸೂತ್ರೀಕರಣ್ಯ (ಮಿಲೀ)	ನೀರಿನಲ್ಲಿ ಮಿಶ್ರಣ (ಲೀರ್ಟ ನಲ್ಲಿ)	ಹಿಂದಿನ ಸಿಂಪರಣೆಯಿಂದ ಫನಲು ಕೊಯ್ಯುವಿಕೆ ನಡುವೆ ಕಾಯುವಿಕೆ ಆವಧಿ (ದಿನಗಳಲ್ಲಿ)	ಪ್ರತಿ ಸಿಂಪಡಿಸುವಿಕೆ ಬಳಿಕ ಮರು–ಪ್ರವೇಶ (ಗಂಟೆಗಳಲ್ಲಿ)
ಹತ್ತಿ	ಆಫಿಡ್ಸ್, ಜ್ಯಾಸ್ಸಿಡ್ಸ್, ಕೊರೆಯುವ ಹುಳ	21-26.25	60-75	500-750	26	
ಭತ್ತ	ಕಂದು ಜಿಗಿ ಹುಳ, ಬಿಳಿ ಬೆನ್ನಿನ ನನ್ಯ ಕೊರಾ	21-26.25 f	60-75	500-750	37	

ಮುನ್ಗೆಚ್ಚರಿಕೆಗಳು: ವಿಷಕಾರಿಯಾಗಿದೆ, ಜಾಗರೂಕತೆಯಿಂದ ನಿರ್ವಹಿಸಿ. ಔಷ್ಯಗಳನ್ನು ಉಸಿರಾಟದೊಂದಿಗೆ ಸೇವಿಸಬೇಡಿ ಅಥವಾ ಸ್ಪರ್ಶಿಸಬೇಡಿ. ಔಷಽಗಳನ್ನು ನಿರ್ವಹಿಸುತ್ತಿರುವಾಗ ರರ್ಬ್ನ ಗ್ರೌವ್ಸ್ ಮತ್ತು ಮುಖ-ಕವಚಗಳನ್ನು ബഹീക്ക

ವಿಷತಗಳಿದ ಲಕ್ಷಣಗಳು: ನಿರಾಸಕ್ತಿ, ಸ್ಕಾಯುಗಳ ವಿಲಕ್ಷಣತೆ, ನಡುಕ, ಉಸಿರಾಡಲು ಕಷ್ಟ ಮತ್ತು ಸ್ಕಾಯು ಸೆಳೆತಗಳು. ಮುಂಜಾಗರೂಕತೆಗಳು: ವಿಷಕಾರಿ, ಜಾಗ್ರತೆಯೊಂದಿಗೆ ಉಪಯೋಗಿಸಿರಿ. ಒಳ ಗಿರುವುದನ್ನು ಉಸಿರಿನಲ್ಲಿ ತೆಗೆದುಕೊಳ್ಳ ಬೇಡಿ ಅಥವಾ ಮುಟ್ಟಬೇಡಿ. ರಬ್ಬರ್ ಕೈಚೀಲಗಳು ಮತ್ತು ಮುಖವಾಡಗಳನ್ನು ಬಳಸುವಾಗ

ಪ್ರಥಮ ಚಿಕಿತ್ವ: ಉತ್ಪನ್ನವು ಕಣ್ಣುಗಳ ಒಳಹೊಕ್ಕರೆ, ಹೇರಳ ನೀರು ಬಳಿಸಿ ಕಣ್ಣುಗಳನ್ನು ತೊಳೆಯಿರಿ, ವಿಷಪ್ರಭಾವ ಕಂಡುಬಂದಲ್ಲಿ ಆಗಾಗ ರಕ್ತದೊತ್ತಡ ಮತ್ತುನಾಡಿ ಬಡಿತದ ತಪಾಸಣೆ ಮಾಡಿ. ಬ್ರಾಡಿಕಾರ್ಡಿಯಾ ಹಾಗೂ ರಕ್ತದೂತ್ವಡದ ಇಳತ ಉಂಟಾಗಬಹುದಾದ್ದರಿಂದ ಕೃತಕ ಉಸಿರಾಟ ಮತ್ತು ಹೃದಯ ಪ್ರಕ್ರಿಯಗಳನ್ನು ಶಿಫಾರಿಸಲಾಗಿದೆ. ಸಕ್ಕಿಯ ಘಟಕವನ್ನು ಗ್ಯಾಸ್ತಿಕ್ ಲ್ಯಾವೇಜ್ ಮತ್ತು ಸ್ಯಾಲೈನ್ ಭೇದಿಕಾರಕಗಳ ಮೂಲಕ ಹೊರತಳ್ಳಿ ಪ್ರತ್ಯೌಷಧ: ಯಾವುದೇ ಪ್ರತ್ಯೌಷಧದ ಕುರುತು ಮಾಹಿತಿ ಲಭ್ಯವಿಲ್ಲ. ಲಕ್ಷಣಾನುಸಾರ ಚಿಕಿತ್ಸೆ ನಡೆಸಿರಿ.

ಶೇಖರಣೆ: 1. ಕೀಟನಾಶಕ ವಿರುವ ಪ್ಯಾಕೇಜುಗಳನ್ನು ಇತರ ಪದಾರ್ಥಗಳನ್ನು ದಾಸ್ತಾನು ಮಾಡುವ ಕೋಣೆ ಮತ್ತು ಕಟ್ಟಡಗಳಿಂದ ದೂರವಾಗಿ ಪ್ರತ್ಯೇಕ ಕೋಣೆ ಅಥವಾ ಕಟ್ಟಡಗಳಲ್ಲಿ ದಾಸ್ತಾನುಮಾಡಿ. ಇಲ್ಲವೇ ಕೀಟನಾಶಕದ ಪ್ರಮಾಣ ಮತ್ತು ಸ್ವಭಾವವನ್ನು ಪರಿಗಣೆಸಿ, ಅದನ್ನು ಪ್ರತ್ಯೇಕ ಅಲಮಾರಿನಲ್ಲಿ ಬೀಗ ಹಾಕಿ ಭದ್ರಪಡಿಸಿಡಿರಿ.

2. ಕೀಟನಾಶಕವನ್ನು ಶೇಖರಿಸಿಡುವ ಕೋಣೆ ಅಥವಾ ಕಟಡ ಚೆನ್ತಾಗಿ ನಿರ್ಮಿತವಾಗಿದ್ದು ಅಲ್ಲಿ ಶುಷ್ಟ ವಾಹಾವರಣವೂ, ಒಳೆಯ ಗಾಳಿ ಬೆಳಕೂ ಇರಬೇಕು. ಹಬೆಯಿಂದಾಗುವ ಮಾಲಿನ್ಯವನು ತಪಿಸುವ ಸುಲುವಾಗಿ ಅದು ಸಾಕಷ್ಟು ವಿಶಾಲವಾಗಿರಬೇಕು.

ಖಾಲಿ ಡಬ್ಬೆಗಳ ವಿಲೇವಾರಿ: 1. ಪ್ಯಾಕೆಜುಗಳನ್ನು ಒಡೆದು, ಜನವನತಿಗೆ ದೂರವಾದ ಜಾಗದಲ್ಲಿ ಅದನ್ನು ಹುಗಿಯುಬೇಕು. 2. ಖಾಲಿ ಪ್ಯಾಕೇಜುಗಳು ಮರು ಉಪಯೋಗಗೊಳ್ಳದಂತೆ ಮಾಡಲು ಅವುಗಳನ್ನು ಹೊರಗೆ ಹಾಗೆಯೇ ಬಿಡಬಾರದು. 3. ಖಾಲಿ ಪ್ಯಾಕೆಜುಗಳು, ಮಿಕ್ಕುಳಿದ ಪದಾರ್ಥ, ಯಂತ್ರವನ್ನು ತೊಳೆದನೀರು-ಇವನ್ನೆಲ್ಲ ಪರಿಸರ ಕಲುಷಿತಗೊಳ್ಳಲು ಆಸ್ಪದವಿಲ್ಲದಂತೆ ಸುರಕ್ಷಿತ ರೀತಿಯಲ್ಲಿ ವಿಸರ್ಜಿಸಬೇಕು.

ರಾಸಾಯನಿಕ ಸಂಯೋಜನೆ:	
ಇಮಿಡಾಕ್ಲೋಪ್ರಿಡ್ (100% ತಳಹದಿಯಲ್ಲಿ)	: 30.50% ಎಮ್ / ಎಮ್
ಸ್ಟೆರಿಲೇಟೆಡ್ ಫಿನಾಲ್ ಗಳ ಇಥಾಕ್ಷಿಲೇಟೆಡ್ ಡಿರೈವೇಟಿವ್	: 1.500% ಎಮ್/ಎಮ್
ಮತ್ತು ನೀರಿನಲ್ಲಿ ಇಥಾಕ್ಷಿಲೇಟೆಡ್ ಪಾಲಿ ಮಿಥಾಕ್ರಿಲೇಟ್	: 4.500% ಎಮ್ / ಎಮ್
ಪ್ರೋಪಿಲಿನ್ ಗ್ಲೈಕಾಲ್ ಟೈಹೈಡ್ರಾಕ್ಸಿ ಪ್ರೋಪೇನ್	: 10.00% ಎಮ್/ ಎಮ್
ಝೊನ್ ಥೇನ್ ಗಮ್	: 13.00% ಎಮ್ / ಎಮ್
ಫಿನೈಲ್ ಮಿಥಾಕ್ಷಿ ಮಿಥೆನಾಲ್	: 1.00% ಎಮ್ / ಎಮ್
ಮಿಥೈಲ್ ಐಸೊಥೆಯೊಝೊಲೊನ್ ಮತ್ತು ಅದರ ಡಿರೈವೇಟಿವ್	: 1.00% ಎಮ್/ಎಮ್
ಪಾಲಿಡೈಮಿಥೈಲ್ ಸೈಲ್ರೊಕ್ಷೀನ್ ನ ನೀರಿನಲ್ಲಿನ ದ್ರಾವಣ	: 1.00% ఎమో / ఎమో
ಡಿಮಿನರಲ್ಟೆಸ್ಟ್ ನೀರು	: ಬಾಕಿ ತುಂಬಿಸಲು (ಕ್ಯು.ಎಸ್.)
ಒಟ್ಟು	: 100.00% ಎಮ್ / ಎಮ್

ஸன்ரிடா

இமிடாகளோப்ரிட் 30.5% SC (உள்ளிருந்தே ஊடுறுவும் மற்றும் ஸ்பரிச பூச்சிக்கொல்லி)

எச்சரிக்கை : இந்த லேபிள்/ சிற்றேட்டில் குறிப்பிடப்பட்டவற்றை விடுத்து

வேறு ஏதேனும் பயிர்கள் மீது உபயோகிக்கக் கூடாது

இது இமிடாக்ளோப்ரிட் மூலப் பொருளாகவும், மீதம் துணை பொருட்கள் மற்றும் மந்த பொருட்கள் அடங்கிய ஊடுருவிப் பாயும் பூச்சிக் கொல்லி ஆரும். சிபாரில: இது பின்வரும் கட்டிடங்களின் கரையான்களை கட்டுப்படுத்த பயன்படுகிறது. இது பின்வரும் கட்புடங்களின் கரையான்களை கட்டுப்படுத்த பயன்படுகிறது. கட்புடங்க ட்டுவதற்கு முன்: ஒவ் கொரு சமயத்திலும் கொடுக்கப்பட்ட மருந்துகளின் படி ஒரே சீராக பயன்படுத்த வேண்டும். மருந்துகப்பதற்கு கையால் இயக்கப்படும் தொலிப்பு துவான் அல்லது தண்ணின் அடிக்கும் கேன் பயன்படுத்த வேண்டும். மருந்துகப்பதற்கு கையால் இயக்கப்படும் தென்படிய துவர்கள் அல்லது தண்ணின் அடிக்கும் 5.1 அல்றிவாரர் போடதோண்டப்பட்ட குடியின் அடிப்பாகம், சுற்றப்பு ரம் ஆகிய இடங்களில் 30 செரி. உயரம் வறை நண்கு நணையும்படி ஒரு குரு மட்டருக்கு 5 வீட்டர் என்ற விதத்தில் நணைக்கவும். 2. அல்றிவாரம் முடிந்த பின் குழியை நீரப்ப உயயோகப்படுத்தும் மண் னில் சுறு மட்டருக்கு 7.5 வீட்டர் வீதம் நணைக்கு உடலோகக்கிலும். 3. ஆர்சிசி அஸ்திவாரங்களுக்கு 5.50 செரி. ஆய்த்திலிருந்து ஆரம் பித்து ஒரு சதுரா மீட்டருக்கு 7.5 வீட்டர் வீதம் நணைக்கவும். 4. அல்டுவாரத்தின் மேற்பரப்பில் உபயோகித்தல், அஸ்திவாரத்தின் குறியில் தனாம்போடுவதற்குமுன் இறுக்கப்பட்ட மண்ணிக்கி வேள் பரிய மடிக்கு கடிக்கு 5.0 நடிக்கு 5.00 செரி மரும்பியில் உயக்கு 5.00 செரி மரும்பும்பட்ட உடன் கண்டும் கடிக்கு 5.00 செரி மருக்குக் கடிக்கு 5.00 செரி மரும்பியில் கண்டுக்கு 5.00 செரி கடிக்கு 5.00 செரி மரும்பியில் கண்டிக்கு 5.00 செரி மரும்பியில் கண்டிக்கு 5.00 சேரி மரும்பியில் கண்டுக்கு 5.00 செரி கடிக்கு 5.00 சீரம் மருக்குக்கு கண்டுக்கு 5.00 செரி கடிக்கு 5.00 சீரி மரும்பியில் கண்டுக்கு 5.00 செரி மரும்பியில் கண்டுக்கு 5.00 சீரிய கடிக்கம்பட்ட மண்ணிக்கு 5.00 சிரிய கடிக்கியில் கண்டுக்கு 5.00 சிரியில் கண்டுக்கில் மருக்கில் கணைக்கவும் 5.00 சிரியில் கண்டுக்கு 5.00 சிரியில் கண்டுக்கு 5.00 சிரியில் கண்டுக்கு 5.00 சிரியில் கண்டுக்கில் கண்டியில் கண்டும் கண்டியில் கண்டியில் கண்டியில் கண்டியில் கண்டியில் கண்டியில் கண்டுக்கில் கண்டியில் கண்டி மண்ணின் மேற்பரப்பில் ஒருசதுர மிட்டருக்கு 5 லிட்டர் மருந்தை நணைக்கவும். 5 அஸ்திவாரத்தின் வெளிப்புரம் ஓட்டியுள்ள சுவரின்மண்ணில் 15 செமீ. அஸ் திவாரத் தின் வெளிப்புரம் ஓட்டியுள்ள கவிுன் மண்ணில் 15 செ.மீ. இடைவெளிலில் 30 செ.மீ. ஆழமுடைய குழிகளை கடைப்பாறைக் கொண்டு குழி பரித்து ஒருசதூர மீட்டருக்கு 7.5 லிட்டர் ஊற்றவும். 6 கட்டிடத்தை சுற்றியுள்ள பருதியின் தனத்திறகு கீழுள்ள மண்ணில் உபயோசம். தனம் போடுவதற்கு முன் மண்ணை ஒரு சதூர மீட்டருக்கு 5 லிட்டர் மேலிருந்து மீழ் நணைக்கவும். பறையு கட்டிடங்களுக்கு: அஸ்திவாரத்தின் வெளியரத்தை ஒட்டியுள்ள மண்ணில் உபயோகம் 1. அற்குவாரத்தின் வெளியரத்தை ஒட்டியுள் மண்ணில் 15 செ.மீ. இடை வேளியில் 30 செ.மீ. ஆழமுடைய குழிகளை கடைப்பாறைக் கொண்டுகுழி புறித்து ஒரு குறர மீட்டருக்கு 7.5 லிட்டர் வீதம் ஊற்றவும். 2 கட்டிட கள்கும் குறியுள்ள பகுதியின் தனத்திற்கு கிழுள்ள மண்ணில் உபயோகம் : தளம் யோடுவதற்கு முன் மண்ணை ஒருகதுர மீட்டருக்கு 5 வீட்டர் கேடுகித்தத் நறைக்கவும். 3. தனத்திற்கு அடிபிலுள்ள மண்ணில் உபயோகம் : தீரல்கள் மூலம் கணயான் காலமைகை கடுக்க வாக்கிற்க உயகியல் உபயோகம் : தீரல்கள் மூலம் நணக்கவும். 3. தளத்திற்கு அடியிலுள்ள மன்ணில் உபயோகம் : கீரல்கள் மூலம் கரையான் நூடையதை தடுக்க தளத்திற்கு அடியிலுள்ள மண்ணமருந்தினால் நணக்க வேண்டும் கீட்டின் உள்ளே, தளங்களும் கவார்களும் சேருமிடத்தில் 30 சே. நீ. இடைவெளியில் 12 மி.மீ. குழி பறித்து அக்குழிகள் நணையும் வரைகரைசலை ஊற்றி குழிகளை மூடவும். 4. அஸ்திவார கவர்களின் வெற்று இடங்களில் உபயோகித்தல் : அவடுதிவார சுவர்கள் மூ மாக கரையாள்கள் தூழையாயல் இருப்பதற்கு அஸ்திவாரத்தின் மேறுமான தான்களின் இரண்டு பக்கமும் 45. கோணத்தல் 30 செ.மீ. இடைவெளியில் தூவாரங்கள் போட்டு மருந்தை நிரம்பும் வரை ஊற்றி மூடவும். 5. மேல் அறைகளில் உபயோகித்தல்: மேலறைகள் தாக்கப்பட்டால் அந்த கட்டிடத்தின் கீழ் அறையை .

க்ரவ்	ண்டுப்பளோர் ே	மற்கூறிய ၊	படி நகை	எக்கவும்		
பயிர்கள்	பூச்சிகளின் பொதுப் பெயர்	டோஸேஜ்/ ஹெக்டேருக்கு A.I (கிராம்)	ஃபார்மு- மேஷன் (மிலி)	கரைப்பதற்கு தண்ணிர் (லிட்டர்)	கடைசி தெளிப்பு தொடங்கி அறுவடைக்கு தொடங்கி அறுவடைக்கு இடமிலான காத்திருப்பு காலம் (நாட்களில்)	
பருத்தி	இலைப்பேன், மஸ்ஸிட்ஸ் கிரிப்ஸ்	21-26.25	60-75	500-750	26	
நெல்	பிரவுள் பிளான்ட் ஹாப்பர், ஒபிட் பேக்டு பிளான்ட் ஹா		60-75	500-750	37	

உபயோகிப்பதற்கான விதிமுறைகள்: இயிடாகுளோபிரிட் 30.5 % SC-யை 0.075% a.i 2.1 கான்ஸன்ட்ரேஷன் வீதம் அதாவது 2.1 மிலி ஃபார்முலேட்டட் பராடக்கை கட்டிடம் கட்டுவதற்கு மதுவது தறுவது 2.1 யமை சப்பாழ்மைட்ட புராடக்கை கட்டிடம் கட்டுவதற்கு முன்பும் மற்றும் அதற்கும் பிறகும் கறையான்களை கட்டுப் படுத்த உபயாகிக்க வேண்டும். மருந்து உபயோகிபது IS 6313 (பார்ட்-2) 2001 - ன்பத, பிரீ-கன் ஸ். ரக்ஷனல் கெமிக் கல் டிரீட்மென்டிற்காகவும், மற்றும் IS 6313 (பார்ட்-3) - பின்படி கன்ஸ்ட்ரக்ஷன்

தாட்டும் இருக்குப் பிறுகும் புக்கும் பிறுக்கும் இருக்க வேண்டும். அரீட்டும் இருக்குப் பிறுகம் பிறுக்கும் கவண்டும். முன்னே ச்சர்க்கை (விலும். மிக்கும் கவணமாக) அல்லது உரகுக்குள் முக்கும் குடிலோக்கும் கோடாது. மருக்குத உபயோகிக்கும்போது ரப்பர் கையுறைகள் மற்றும் முகமூடியை உபயோகியுங்கள்

விஷமேறிய அறிகுறிகள்: உண்ர்ச்சியின்மை, மையோடோனியா மூச்ச திணறல் மற்றும் சதை இறுக்கம்.

பறும் என்ற இருட்கைப் விஷமுடையது, கவனமாக கையாளவும். மருந்தை தொடவோ அல்லது கவாசிக்கவோ கூடாது. மருந்தை கையாளும்போது ரப்பர் கையுறைகள் அல்லது முகருமு பயன்படுத்த வேண்டும்.

முதலுதவி : கண்களில் பட்டால் அதிகமான தண்ணீரை கொண்டு தேய்த்து கழுவவும் விஷமேறினால் இரத்த அழுத்தத்தையும் நாடித் தூடிப்பையும் அடிக்கடி சோதிக்கவும், இரத்த அழுத்தும் குறைந்தால் பெயற்கை கவாசம் கொடுத்து, தெஞ்சை அழுத்திவி. வும். உட்கொண்டால் வபிற்றை சுத்தம் செய்யவும்.

நச்சுமுறிவு: குறிப்பிட்ட நச்சு முறிவு எதுவும் கிடையாது. இணைத்துள்ள வழிமுறைகளை பின்பற்றவும். அறிகுறிகளுக்கேற்ப சிகிச்சை அளிக்கவும்.

சேமிப்பு : 1. பூச்சிக்கொல்லிகள் அடங்கிய பேக்கேஜ்களை அதன் தன்மை மற்றும் veruu.பு . 1. பூச்சலைகள்லவைகள் அடங்கிய பெக்சுக்ஐக்கை ஆத்கர் தன்மை மற்றும் அள்மை பொருத்து மற்ற பொருட்களை சேமிக்கும் அறைகள் அல்லது கட்டிடங்களுக்கு அப்பாற்பட்ட தனியான அறையில் அல்லது கட்டிடங்களில் அல்லது தனியான அலமாரிடுல் சேமித்து பூட்டி வைக்கவும். 2. சேமிப்பு அறைகள் நன்கு கட்டப்பட்டதாக, உலர்ந்து, நல்ல வேளிச்சமும், காற்றோட்டமும், ஈரத் தன்மையினால் மாக ஏற்படுவதை தவிர்க்க போது மான பரப்பளவு கொண்டதாகவும் இருக்க வேண்டும்.

னவர்படதாலபுப் இருக்க லம்மையே. காவி கொள்கலன்களை ஆப்பறப்படுத்துதல் : 1. பேக்கேஜ்களை உடைத்து வசிக்கும் இடங்களுக்கு அப்பால் புதைக்க வேண்டும். 2. உபயோகித்த பேக்கேஜ்களை மறுமுறை பயன்படுத்தும் வகையில் வெளியில்விட்டு வைக்கக் கூடாது. 3. பேக்கேஜ்கள் அல்லது எஞ்சிய பொருட்கள் மற்றும் எந்திரங்களை கூழுவிய நீர் முதவியவறைன சற்றயுற குழல் மற்றும் நீர் நிவைகளுக்கு மாக ஏற்படாதவாறு பாதுகாப்பான முறையில் அப்புறப் படுத்தவும். ரெசாபன சோமானம்

இமிடாக்ளோப்ரிட் ஏ.ஜ.	: 30.50% m/m
ஸ்டைரிலேடட் பினாலின் எத்தாக்ஸி லேடட் டெரிவேடிவ்	: 1.50% m/m
ப்ரொபிலின் க்ளைகோல் மற்றும்	
நீரின் எத்தாக்ஸிலேடட் பாலிமெத்தார்ரிலோட்	: 4.50% m/m
ட்ரைஹைட்ரோக்ஸி ப்ரோப்பேன்	: 10.00% m/m
ஸாந்தேன் பசை	: 13.00% m/m
பினைல் மெத்தாக்ஸி மெத்தானால்	: 1.00% m/m
மிதைல் ஜகோதயோஸோலோன் மற்றும்	
அதன் க்ளேரோ டெரிவெடிவ் கலவை	: 1.00% m/m
பாலிடியிதைல் ஸிலோக்கேனின் நீர் கலவை	: 1.00% m/m
தாது பொருளற்ற நீர்	: போதுமான அளவு
மொத்தம்	: 100.00% m/m

સપર મડાિ

ઇમડાકલોપ્રિડ 30.50% એસ.સી. (પદ્ધતિસરનું અને સંપર્ક કીટનાશક)

ચેતવણીઃ આ લેબલ/ચોપાનિયાં પર નિર્ધારિત કરાયા સિવાયના પાકો પર ઉપયોગ કરવો નહીં.

ભલામણ : એ એક આંતરપ્રવાદી બ્રૂં/ફનાશક છે જે ઇમિડાકલોપ્રિક સક્રિય ઘટક, બાકીના सहायहद्वयो अने निष्ट्रिय पहार्थघराये हो. એ महानोमां ઉघराना नियंत्राण माटे पपराय हो ભલામણ : એનો ઉપયોગ મકાનોમાં ઊઘઈ નિયંત્રણ માટે નીચે પ્રમાણો કરવામાંઆવે છે: કડિપાકામના પાપાઆંની માવજતઃ ૧. તળિયાની સપાટી અને પાયાના ખાડાઆંની બાજઆંતી, ૩૦ સે.મી. ની ઉંચાઈસુધી, સપાટીના વિસ્તારના ચો. મીટર દીઠ પ લોંટર રાસાયણિક બ્રાવણના દરેમાવજત કરવી જોઈએ. ૨. પાયાના બાંધકામ સાથેના તુરતના સંપર્કમાંની ફરીથી ભરણી કરવાની માટીની,દરેક બાજુ માટે પેટા—માળખાંની ઉભી સપાટીના ચો. મીટર દીઠ ૭.૫ લીંટરવાદરે માવજત કરવી જોઈએ. ૩. આરસીસી પાચાઓની માવજત : માવજત ચો. મીટર દીઠ ૭.૫ લીટરના દરેજમીનના સ્તરની हेઠળ ૫૦ સે.મી. ની ઉડાઈએ માવજત ચાં. મીટર દીઠ ७.૫લીટરના દરે જમીનના સ્તરની હેઠળ ૫૦ સે.મી. ની ઉંડાઈએ શરુ કરવી જોઈએ. ૪. પ્લિન્થ ભરણીની ટોયની સપાટીની માવજત : પ્લિન્થની દિવાલોતી અંદરમજબૂત કરાયેલી માટીની ટોચની સપાટીની માવજત રેતીની થર અથવા સબ-ગ્રેડ નાખવામાં આવે તે પહેલાં સપાટીના ૫ લીટર/યો.મી. ના દરે રાસાયણિકદ્રાવણ વડે કરવી જોઈએ प મहानना जहारना घेरपयी लगोलगर्नी भारीनी भावश्व :भहाननी जहारनीहिवालोनी લગોલગની માટીને ૧૫ સે.મી. ના અંતરોએ અને 30 સે.મી. નીઉડાઈ સુધી સળિયાથી મિશ્રિત કરવી हीठ ७.५सीटरना हरे हियासनी संगोसगरेडचुं श्रीराभे. इ.भडानया जहारना घेरानी संगोसग આગળની પટ્ટી हેઠળની જમીનનીમાવજત : જમીનની ટોચની સપાટી જેના ઉપર આગળની પટ્ટી નાંખવાનીઠોય તેની માવજત ઉમી સપાટીના ચાંમી. દીઠ પ લીટરના દરે રાસાયણિકદ્રાવણ વડે કરવી श्रेष्ट्री, जांधडाम पछी: १, मडानपां जहारनां धेरानी लगोलग श्रमीननी मापश्रत :मडाननी બહારનીદિવાલોની લગોલગની જમીન ૧૫ સેં.મી. નાં અંતરોએ અને ૩૦ સેં.મી. નીઉંડાઈ સુઘી સળિયપ્થી મિશ્રિત કરવી જોઈએ અને પાયાની દિવાલની સપાટીખુલી કરવી જોઈએ. ઉભી સપાટીના ચો.મી. દીઠ७.૫લીટરના દરે દિવાલની લગોલગ રાસાયણિક બ્રાવણ રેડવું જોઈએ. ૨. મકાનના બહારના ઘેરાની લગોલગ આગળની પટ્ટી हેઠળની જમીનની માવજત : જમીનની ટોચની સપાટી જેના ઉપર આગળની પક્રી નાંખવાની હોય તેની માવજત ઉભી સપાટીના ચો.મી. દીઠ ૫ લીટરના દરે રાસાયણિક શ્રાવણ વડે કરવી જોઈએ. ૩. ફરસ ફેઠળની જમીનની માવજત : તિરાઠોમાંથી, ઉઘઈનો પ્રવેશો રોકવામાટે, ફરસ ફેઠળની જમીનની માવજત કરવી જોઈએ. ફરસના સાંઘા ખાતે અનેદિવાલ ખાતે 30 સેં.મી. ના અંતરે ૧૨ મી.મી. ના કાણાં પાડવાં અને હેઠળનીજમીન સુધી પહોંચવું. કાણાં દીઠ ૧ લીટરના દરે રાસાયણિક બ્રાવણનીપિયકારી મારવી અને કાણાં બંધ કરી દેવાં. ૪. કડિયાકામમાંવી ખાલી જગ્પાઓની માવજત :કડિયાકામની દિવાલો મારફતઉઘઈની ફેરફેર 30 સેં.મી. ના ગાળાએ પ્લિન્થ દિવાલની બંને બાજુઓમાંથી પ્રથમ પસંદગી તરીકે આશરે ૪૫ઓના ખૂરો કડિયાકામની દિવાલોમાં કાળાંપાકીને અને તે ભરાઈ જાય ત્યાંસુઘી કાણાંમા રસાયણની પિચકારી મારીનેઅટકાવી શકાય અને પછી કાણઆં બંધ કરી દેવાં. ૫. ઉપલા મજલાઓની માવજત : ઉપલા મજલાઓમાં ઉપદ્રવ થાય તેવી બાબતમાં,ફાલના મકાનના ભોંયતિયાંની માવજત ઉપર વર્ણવ્યા પ્રમાણે કરો. (બિ) કૃષિ પાકોઃ આને કપાસમાં જેસ્સીક્સ, એફિક્સ અને થ્રાઇપ્સ તથા ઓબામાં બ્રાઇન પ્લાન્ટ હોપ્પર (છીંકણી તીતીઘોડા), અને વ્હાઇટ બેકડ પ્લાન્ટ હોપ્પર (સફેદ ટપકાં વાળા તીતીઘોડા) ન નિયંત્રણ માટે ૫૦૦–૭૫૦ લીટર પાણીમાં ૨૧–૨૬.૨૫ ગ્રામ સ.ત./કે (૬૦–૭૫ મિ.લી. નૂરબો) ભેળવીને વાપરવામાં આવવું જોઈએ. કપાસ અને ચોબ માટે રાફ જોવાનો સમયગાળો ૨૬ અને ૩૭

ાદવસ	IEGH.							
чıs	જુવાતનું સામાન્ય નામ	માત્રા/ફેક્ટર એ.આઇ. (ગ્રામ)	નુરબો (મી.લી)	પાણીમાં મંદન (લીટર)	અંતિમ છંટકાવ અને લણગી વચ્ચે રાહ જોવાનો સમયગાળો (દિવસો)	દરેક અમ પછી પુત (કલાકો		
કપાસ ચોબા	એકિક, જેસ્સીક્સ, થ્રાઇપ્સ બ્રાઉન પ્લાન્ટ શેપ્પર (છીંકણી તીતીથોકા), વ્હાઇટ બેકક પ્લાન્ટ શેપ્પર (સફેદ ટપકાં વાળા તીતીથો:	२१-२ 5. २५	90-64 90-64	ч00-७ч0 ч00-७ч0	ୟଟ 30			

पपराश माटेना निर्देशोः धभारतना यायतर अगाउँ अने उपरांत उद्यर्धना नियंत्राय माटे ९ लीटर પાણીમાં ૦.૦૭૫% સ.ત. ઇમિડાકલોપ્રાઇડ ૩૦.૫% એસસી એટલે કે ૨.૧ મિ.લી. તૈયાર નસ્બો ભેળવીને અમલમાં લેવામાં આવવું જોઈએ. ચણતર અગાઉની રાસાચણિક સારવાર માટે અઈએસ ૬૩૧૩ (ભાગ–૨) ૨૦૦૧ અને ચણતર ઉપરાંતની સારવાર માટે અઈએસ ૬૩૧૩ (ભાગ–૩) ૨૦૦૧ પ્રમાણે સારવાર આપવામાં આવવી જોઈએ. સાવચેતીઃ વિષાકત. કાળજુપૂર્વક વાપરો. સામગ્રીને સ્પર્શ ન કરો કે શ્વાસમાં ન લો. ઇંપપરતી વબતે રબ્બરના હાથમોજાં અને ફેસ માસ્ક વાપરો. સાવચેતીઓ : ઝેરી કાળજીપૂર્વક સંભાળી. સામગ્રીને અડો કે શ્વાસમાં ને લો.સામગ્રી સંભાળતી વખતે રબરના મોજાં અને ચહેરાનું મીંહરું વાપરો.

ઝેર ચઢયાંના લઘણો :ઉદાલીનતા, માયોટોનિયા, ધુજારી, શ્વાસ લેવામાં મુશકેલી અને માચોસ્પાસ્મસ.

પ્રાથમિક સારવાર : જો ઉત્પાદન આંખમાં જાય, તો એને પુષ્કળ પાણીથી તરત જછાલક મારીને ઘીઈ નાંખો. ઝેર ચઢે નેવી બાબતમાં વારંવાર લોહીનું દબાણ અને નાડીના ઘબકારા માપો.બ્રોડિકાર્ડિયા અને લોહીના દબાણમાં ઘટાડોથઈ શકે છે,તેથી કૃત્રિમ શ્વાસાંચ્છ્રાસ અને હૃદયની ક્રિયાતી ભલામણ કરવામાં આવે છે. ગેરિટ્રિકલવાજ અને ક્ષારઘૂકતે રેચક હ્રવયો મારફત સક્રિય ઘટક પેટમાંથી બહાર કાઢી

ઝેરનું મારણ કોઈ જાણીતું ચોક્કસ મારણ નથી. સાથે જોડેલી સૂચનાખોનું પાલન કરી. લક્ષણો અનુસાર સારવારઆપો.

સંગ્રહઃ ૧. જંતુનાશકો ધરાવતાં પેકેજીસ બીજી ચીજવસ્તુઓ સંગ્રહ માટે વપરાતાં ઓરડા અથવા જગ્પાથી દૂર અલગ ઓરડા અથવા જગ્યામાં સંગ્રહવા અથવા જંતુનાશકના જથ્થા અને પ્રકાર ઉપર આધાર રાખીને અલગ કબાટમાંતાળાંચાવીમાં બંધ કરીનેરાખવા. ૨. જંતુનાશકો સંગ્રહવા માટેનાં ઓરડા અથવા જગ્યા સારી પેઠે બાંઘેલાં,સૂકાં, સારો પ્રકાશ ધરાવતાં, હવાદાર અને પૂરતી મોકળાશ

ગરાવતાં હોવાં. જોઈએ જેથી વરાળથી દુર્ષાંદત થતું ટાળી શકાય. ખાલી પાત્રોની નિકાલ : ૧. પેક્રેજીસ ભાંગી નાંખવાં અને વસ્તીથી દૂર દાટી દેવાં.વપરાયેલા પેક્રેજીસ બઠાર રાખવાં નહીં. ર. જેથી તેમની કરીથી ઉપયોગ થતાં અટકે. ર. પેકેજાસ અથવા વધારાની સામગ્રી અને મશીનમાંથી દીવાણોનો એવી સલામતનિકાલ કરવી જેથી પર્યાવરણનું અને જળ પ્રદુષણ થતું

અટકે.	
રાસાયનિક સંયોજન :	
ઈમડાકલોપ્રિડ સ.ઘ. (૧૦૦૦% ઘોરણ પર)	: 30.૫0% એમ/એમ
સ્ટાયરિલેટેડ ફિનીલાનો ઇથોકિંસલેટેડ ડેસ્વિંટિવ	: ૧.૫૦% એમ/એમ
પ્રોપિલિન ગ્લાયકોલ અને પાણીમાં ઇથોકિસલેટેડ	
પાંલિમિથાકાયસેટ	: ૪.૫૦% એમ/એમ
ડ્રાયદાયડ્રોક્સી પ્રોપેન	: ૧૦.૦૦% એમ/એમ
· अन्थेन गम	: ૧૩.૦૦% એમ/એમ
ફિનાઇલ મિર્થાક્સી મિંથાનોલ	: ૧.૦૦% એમ/એમ
મિથાઇલ અપ્યસાંથીઆંઝોલોન અને તેના ક્લોરો કેરિવેટિંવનુંમિશ્રણ	: ૧.૦૦% એમ/એમ
પોલિકાયદેંથાઇલ સિલાંકર્સનનું પાણીમાં બ્રાવણ	: ૧.૦૦% એમ/એમ
પાણી કિમિનરલાઇઝ્ડ	: પૂરતું પ્રમાણ જેથી બને
§G	: ૧૦૦.૦૦% એમ/એમ

® ઉત્પાદક અને વિતરક